

Sublimate, s. इसकर्पूरः-युद्धं. -v. t. बाष्पीकृ 8 U.

Sublime, a. उच्चत, अत्युचित्त, उत्कृष्ट, विशिष्ट, गुरु; See **Lofty**; उदात्स, मोड़ (sentiment &c.). -v. t. Exalt, q. v.

-ity,-ness, s. तुंगता, उच्चति f., अनुभावः, प्रादि f., अत्युक्तः, गौरवः; 's. of meaning' अर्थगौरव, उदात्तायः.

Subliminal, a. जोधातीत, अव्यक्त.

Sublunary, a. ऐहिक-सांसारिक-(की f.); See **Worldly**.

Submarine, a. समुद्रस्थ-गत; 's. fire' औरः, वडवानलः, वाडः.

Submerge, v. t. नि-,मस्त् c. (मज्जयति), आहु c. -v. i. नि-,मस्त् 6 P,अवगाहू 6 A; See **Plunge**. -**Submersion**, s. निम्जनं,आहावः, स्रावनं.

Submit, v. i. प्रणय 1 P, वशः गम् 1 P, शरणं गम् or या 2 P or प्रपद् 4 A; (to order &c.) अनुवृथ्य 4 A, अनुवृत् 1 A, अनुपा c. (शालयति); See **Obey**; सहृ 1 A, क्षम् 1 A, सूक्ष्म् 4 P, 10; oft. ex. by प्रमाणः; आर्यमित्रः; प्रमाण (M. 1) 'I s. to your honor's opinion (decision)'. 2 सविनयं वद् 1 P or प्रार्थ् 10 A. -v. t. सविनयं क्र c. (अर्पयति) or निक्षिप् 6 P or निर्दिश् 6 P; See **Refer**. -**Submission**, s. प्रणति f., वशता-त्वं. 2 अनुवृत्ति f., अनुवृत्तनं, अनुरोधः. 3 क्षमा, क्षांति f., सहिष्णुता. -**Submissive**, a. वश्य, प्रणतिभिन्न, वशग, वशवान्त, विधेय, अनुविधायिन, आज्ञाकर (सी f.). 2 सविनय, नम्र, दीन. -ly, adv. सविनयं, नम्रतया, प्राप्तनापूर्व, प्रणतिपूर्व.

Subordinate, a. अधीन, आयत्त. 2 अप्रधान, गौण (गी f.), असुख्य; 'any thing s. to another' अप्रधानं, उपसज्जनं. -v. t. (to) अन्यापेक्षया गौण-अप्रधान-a. मन् 4 A. -ion, s. अधीनता, वशता, वशता, परवशता, परतंत्रयं, पराधीनता. 2 अप्रधानयं, गौणता. -ly, adv. गौणतः, अप्रधानयन, असुख्यतः.

Suborn, v. t. (धनदानादिना) क्रूटसाक्ष्य दा c. (दापयति).

Subpoena, s. आहानपत्रं. -v. t. आहे 1 P.

Subscribe, v. (अधः) नाम लिख् 6 P or निविश् c. हमताकरणं अंक् 10 or चिह्नयति (D.); See **Sign**. 2 **Agree**, q. v. 3 (द्रव्यं) दातुं प्रतिज्ञा 9 A, अंकं दा desid. (दित्सति-त). -er, s. अशदायिन् m. -**Subscription**, s. नामलिखनं-निवेशनं. 2 अंश-उद्धार-दानं, स्थानः, उद्धारः: 3 (Of a paper) मूल्यं.

Subsequent, a. उत्तरगमित्, उत्तर, पश्चात् in comp.; पर, पश्चात्कालीन, अनु pr.; 's. rites' अनुकर्माणि, अनुगमन, &c.; 's.

mention' वक्ष्यमाणता. -ly, adv. तत् ऊर्ध्वं, अनंतरं, तत् उत्तरं, पश्चात्; (to) परं, ऊर्ध्वं, अनंतरं, परतः (with abl.); अनु pr.; 's. to the marriage' अनुविचाह, विचाहात्परं, &c. -**Subsequence**, s. अनुगमनं-यानं.

Subserve, v. i. उपस्थृ 8 U, वृद् c., उपकृ; See **Promote**. -**Subservient**, a. आयत्त, अधीन, वश, निष्ठा, तत्र in comp. 2 उपयुक्त, उपकारित्व, सहयोगित्व. -**Subservience**-cy, तत्रता, अधीनत्वं. 2 उपयोगः, उपकारः.

Subside, v. i. शम् 4 P, प्र-उप्°, निवृत् 1 A, विरम् 1 P, विनगम् 1 P; प्रसद् 1 P. 2 अपस्तले आसद्, अधः गम् or पत् 1 P.

Subsidy, s. (धनस्त्रय) साहाय्यं, करः. -**Subsidiary**, a. सहकारित्व, साहाय्यकारित्व, अनुकूल, नित्रभावापक्ष. 2 **Subordinate**, q. v.; 'something s.' अप्रधानं, उपसर्जनं, गौणत्वं.

Subsist, v. i. शू 1 P, वृत् 1 A, विद् 4 A, अस् 2 P, स्था 1 P. 2 जीद् 1 P, आउप्°, प्राणयात्रा कृ, जीवित-जाग्रात् धृ 1 P, 10; See **Live**. -ence, s. सत्ता, आस्तित्वं, भावः, वृत्ति f. 2 आजीवः, वृत्तिः, आ-उप-जीविका, प्राण-शरीर-यात्रा; See **Living**. -ent, a. जीविन, सत्त्ववत्.

Subsoil, s. अधःस्तरः.

Substance, s. सारः, सत्त्वं, तत्त्वं; भाषः, भावार्थः, सारांशः, तात्पर्य, तात्पर्यार्थः; 'sum and s.' पिंडितः-निर्मलितः-अर्थः, निष्कर्षः; भावः; 'they are the same in s.' वस्तुतः; समाः, अर्थतः तुल्याः. 2 (In Philosophy) द्रव्यं, पदार्थः. 3 वस्तु n., द्रव्यं, अर्थः, मूर्त्ति-द्रव्यं. 4 संपत्ति f., द्रव्यं, धनं, अर्थः, वित्त, विभवः, वैमनः; See **Wealth**. -**Substantial**, a. सारवत्, ससार, सगर्भ, धन. 2 तात्त्विक-सात्त्विक-चास्त्रिक-(की f.), यथार्थ, सत्य, वास्तव (की f..) 3 धनिन्, सधन, समूद्र, धनवत्; See **Wealthy**. -ly, adv. वस्तुतः, अर्थतः, तत्त्वतः, सारतः.

-**Substantiate**, v. t. सार् c., उप-प्रतिपद् c., प्रमाणयति (D.), प्रमाणीकृ 8 U, सत्यापयति (D.), सत्याकृ, वि-भू c.; See **Prove**. -ion, s. उपपादनं, साधनं, सिद्धि f. -**Substantive**, s. विशेष्यं, सत्त्वं; 'dependent on the gender of the s.' विशेष्यनिष्ठा, वाच्यलिंग. -a. सत्यवाचित्. **Substitute**, s. प्रतिनिधिः, प्रतिवृत्तः-स्तकः, प्रतियुक्तः; oft. by स्थानीय-a. or स्थाने वृत् 1 A. 2 (In grammar) आदेशः. -v. t. स्थाने-पदे-सं-निविश् c. or प्र-नि-उप-वृत् 7 A, 10 or उपकृत् c.; तत्पदे धारोः स्थान हचादेशं सुधीवं संन्योगेशपद् (R. XII. 58) 's. ed Sugriva in his place' &c.